ᏫᏂᏣᏁᎵᏍ ᏥᏅᏗᏓᏍᏗᏂᏳᏫ ᏕᏣᏗᏒᏍᏗᏓᏅᏙᏗ

First Peter

ᏕᏅᏍᏗᏓᏅᏍᏗᏍᏗᏕᏅ ᏅᏗᏓᏅᏍᏗ ᏫᏂᏣᏁᎵᏍ ᏥᏅᏗᏓᏅᏍᏗᏍᏗᏕᏅ

ᏗᏥᏫᏂᏣᏁᎵᏍᏗᏍᏗᏕᏅᏍᏗᏍᏗᏕᏅᏍᏗᏍᏗᏕᏅ

ᏥᏍᏕᏥᏍᏕᏥᏍᏕ

ᏥᏕᏅᏍᏗᏧᏂᏍᏗᏱ ᏕᏂᏲᏁᏍᏗᏍᏗᏱ ᏗᏂᏍᏗᏍᏗᏱ ᏕᏂᏲᏁᏍᏗᏍᏗᏱ ᏥᏕᏅᏍᏗᏧᏂ

ᏥᏕᏅᏍᏗ ᏧᏂᏍᏆᏂᏓ ᏂᏙᏗᏅ ᏣᏂᏍᏆᏂᏓ ᏅᏓᏕᏁᏍᏗᏍᏕᏒᏍᏗᏍᏕᏒᏍᏗᏍᏕᏒ

ईमानदार होने का इनाम

१ फिर तीसवें साल के चौथे महीने के पाँचवें दिन मैं कबार नदी के किनारे बन्दियों के बीच था, तब मैं आकाश खुला देखा और मैंने परमेश्वर के दर्शन पाये। [1a] २ उस दिन यहोयाकीन राजा को बन्दी बनाये हुए पाँच वर्ष हो चुके थे। [1b] ३ यहोवा का वचन बूजी के पुत्र यहेजकेल याजक के पास कसदियों के देश में कबार नदी के किनारे पहुँचा; वहाँ यहोवा की सामर्थ उस पर प्रकट हुई। [1c]

४ मैंने देखा, कि उत्तर दिशा से आँधी चली, और बड़ी बदली आई, और चारों ओर उजियाला था, और उसमें से अग्नि के बीच से चमकते हुए पीतल के समान कुछ निकल रहा था। ५ उसके बीच में चार प्राणियों के समान कुछ दिखाई दिया। उनका रूप यह था कि उनमें मनुष्य का सा रूप था। ६ हर एक के चार मुख और चार पंख थे। ७ उनके पाँव सीधे थे, और उनके तलवे बछड़े के तलवों के समान थे; वे ऐसे चमकते थे मानो तपाये हुए पीतल से चमकते हों। ८ उनके चारों ओर उनके पंखों के नीचे मनुष्य के हाथ थे; और चारों के मुख और पंख ये थे: ९ उनके पंख एक दूसरे से जुड़े थे; वे चलते समय मुड़ते न थे, वे सीधे चलते थे। १० उनके मुखों की आकृति यह थी: मनुष्य का मुख, सिंह का मुख, बैल का मुख, और उनमें से हर एक के उकाब का मुख था। ११ उनके पंख ऊपर को फैले थे; हर एक के दो पंख एक दूसरे से जुड़े थे, और दो पंख उनके शरीर को ढाँपते थे। १२ वे सीधे चलते थे; जिस ओर आत्मा की इच्छा होती थी वे उसी ओर चलते थे, वे मुड़ते न थे। १३ उन प्राणियों के बीच में जलते हुए कोयलों के समान कुछ दिखाई दिया, और उन प्राणियों के बीच में मशालों के समान कुछ दिखाई दिया; वह आग इधर उधर चलती थी, और उस आग से तेज़ी से बिजली निकलती थी। १४ वे प्राणी बिजली की चमक के समान इधर उधर आते जाते थे।

१५ मैंने उन प्राणियों को देखा, तो क्या देखा कि उनके पास चार पहियों वाले एक एक पहिये भूमि पर दिखाई दिया। १६ उन पहियों की बनावट और उनकी बनावट पुखराज के समान थी; और चारों पहियों की एक ही बनावट थी, और उनकी बनावट ऐसी थी मानो एक पहिये के बीच में दूसरा पहिया हो। १७ वे चलते समय चारों ओर चल सकते थे, वे मुड़ते न थे। १८ उनके घेरे ऊँचे और भयानक थे, और उन चारों के घेरों के चारों ओर आँखें ही आँखें थीं। १९ जब वे प्राणी चलते थे तो पहिये उनके साथ चलते थे; और जब वे प्राणी धरती से ऊपर उठते थे तो पहिये भी उठते थे। २० जिस ओर आत्मा की इच्छा होती थी वे उसी ओर चलते थे, और पहिये उनके साथ उठते थे; क्योंकि उन प्राणियों की आत्मा पहियों में थी। २१ वे चलते समय चलते थे, और खड़े होते समय खड़े होते थे, और धरती से ऊपर उठते समय पहिये उनके साथ उठते थे; क्योंकि उन प्राणियों की आत्मा पहियों में थी।

२२ उन प्राणियों के सिरों के ऊपर एक ऐसा फैलाव था जो बर्फ़ानी चट्टान के समान चमकता था, और उनके सिरों के ऊपर वह फैला था। २३ और उस फैलाव के नीचे उनके पंख एक दूसरे की सीध में फैले थे; हर एक के दो पंख थे जो उसके एक ओर से और दो पंख उसके दूसरे ओर से उनके शरीर को ढाँपते थे। २४ जब वे चलते थे तो मैंने उनके पंखों की आवाज़ सुनी, वह बड़े जलप्रपात की आवाज़ के समान, सर्वशक्तिमान परमेश्वर की आवाज़ के समान, बड़े कोलाहल की आवाज़ थी, और जब वे खड़े होते थे तो उनके पंख ढीले पड़ जाते थे। २५ उस फैलाव के ऊपर जो उनके सिरों के ऊपर था, उसके ऊपर से एक आवाज़ आई; जब वे खड़े होते थे तो उनके पंख ढीले पड़ जाते थे।

२६ उस फैलाव के ऊपर जो उनके सिरों के ऊपर था, उसके ऊपर नीलमणि के समान एक सिंहासन था; और उस सिंहासन के ऊपर मनुष्य के समान कुछ दिखाई दिया। २७ मैंने देखा, कि उसकी कमर से ऊपर वह आग के समान चमकता था, और उसकी कमर से नीचे मैंने देखा कि वह आग के समान था, और उसके चारों ओर तेज़ था। २८ जैसा इन्द्रधनुष बादल में दिखाई देता है, उसी के समान उसके चारों ओर का तेज़ था। यह यहोवा के प्रताप का रूप था। जब मैंने उसे देखा तो मैं मुँह के बल गिर पड़ा, और एक बोलने वाले की आवाज़ सुनी।

१:१ तीसवें साल: अर्थात् नबूकदनेज़र के राज्य के पाँचवें वर्ष में। १:४ उत्तर दिशा से: यरूशलेम उत्तर दिशा में था।

© 2011 Christian Far East Ministry

ᎾᏍᏗᏕᏲᏁᏗ ᏧᏂᏍᏗᏂᏙᏗ ᏗᏂᏍᏗᏂᏙᏗ ᏥᏌᏃᏎᏍᏗ Ꮧ

ဆဟာယတဏှာ ကြောင့်ပဋိသန္ဓေတည်ခြင်းကို ဟူ၏။ ထိုကဲ့သို့ ဖြစ်ကုန်သော ဤတို့ကား ဖြစ်ကုန်ရာ ဖြစ်ကုန်ရာ ဖြစ်ကုန်ရာ

ចេះមានចិត្តល្អ ចេះស្តាប់ ចេះសម្រុះសម្រួល ពោរពេញដោយក្តីមេត្តា និងការប្រកាន់យុត្តិធម៌ គ្មានលម្អៀង និងពុតត្រាប់ឡើយ។ ១៨ ផ្លែនៃសេចក្តីសុចរិតត្រូវដាំដុះដោយសន្តិភាពដោយសារអ្នកដែលស្វែងរកសន្តិភាព ដើម្បីនាំមកនូវសេចក្តីសុខ។

ការជម្រុញ ១៩ និង ២០

ការនេះ ជាការជម្រុញ ១ និង ២ ។ ១ ដោយសារតែ ១ ជាការជម្រុញ ២ ដ្ឋានៈ ១ ជាការជម្រុញ ២ ដ្ឋានៈ ១ ជាការជម្រុញ ២ ដ្ឋានៈ

ᏥᏅᏏᏓᏍᏗᏱ ᏓᏍᏗᏁᏍᏙᏗ ᏂᏙᏯᏍᏗᏱ ᏗᏍᏗᏍᏗᏓᏍᏗᏱ ᏥᏅᏏᏓᏍᏗᏱ ᏍᏗᏍᏗᏍᏗᏱ ᏥᏅᏏᏓᏍᏗᏱ ᏥᏅᏏᏓᏍᏗᏱ ᏥᏅᏏᏓ

ကြာသပတေး ညနေ ၅:၁ ဧဝံဂေလိတ် ၁၂:ဧ

ကြာသပတေးနေ့ ညနေ ၅:၁ ကျောင်းတော်ရဲ့ဧဝံဂေလိတ် ကြေညာခြင်းတာဝန်ကို ကျွန်တော်တို့ ကိုယ်တိုင် ယူဆောင်ကြပါတယ်။ [p] ကျွန်တော်တို့ ရောက်ရှိလာတဲ့ အခါ ကိုယ်ရေးရာ ဒုက္ခရောက်ခြင်းတွေ ကြုံတွေ့ခဲ့ကြရတယ်ဆိုတဲ့ အကြောင်းကို ကြားလိုပါတယ်။ [q] ကျွန်တော်တို့ ကြားခဲ့ရတာကတော့ ကျွန်တော်တို့ ကိုယ်တိုင် ခံစားခဲ့ကြရတယ်ဆိုတာပါပဲ။ ကမ္ဘာတစ်ဝှမ်းက ကျွန်တော်တို့ ကြားခဲ့ရတာ ကတော့ ကမ္ဘာတစ်ဝှမ်းက ကျွန်တော်တို့ ကိုယ်တိုင် ခံစားခဲ့ကြရတယ်ဆိုတာပါပဲ။

> “ကျေးဇူးတော်ရဲ့ကရုဏာကြောင့် ကျွန်တော်တို့ ကြားခဲ့ကြတဲ့ ဧဝံဂေလိတ်ကို ကျွန်တော်တို့ ကိုယ်တိုင် ခံစားခဲ့ကြရတယ်။” *

[a] ပြီးခဲ့တဲ့ဆယ်စုနှစ်ကနေ ကျွန်တော်တို့ကိုယ်တိုင် ကြုံတွေ့ခဲ့ကြတဲ့ ကိုယ်ရေးရာ ဒုက္ခတွေ၊ ကြမ်းတမ်းတဲ့ ဘဝတွေ ရဲ့ကမ္ဘာ့ဘုရားသခင်ရဲ့ ကရုဏာတော်ကို ကျွန်တော်တို့ ကိုယ်တိုင် ခံစားခဲ့ကြရတယ်။ ကျွန်တော်တို့ ကိုယ်ရေးရာ ဒုက္ခတွေ ကြုံတွေ့ခဲ့ကြတုန်းမှာ ကျွန်တော်တို့ ကိုယ်ရေးရာ ကရုဏာတော်ကို ခံယူခဲ့ကြတယ်။ ကျွန်တော်တို့ ကိုယ်ရေးရာ ကရုဏာတော်ကို ခံယူခဲ့ကြတယ်ဆိုတာ ကျွန်တော်တို့ ကိုယ်ကိုယ်တိုင် ခံစားခဲ့ကြရ

[b] ២០យ៉ាងលាយគ្នានៃ ការកាន់ ការមិនចាត់ ១យ៉ាងនៃ ការកាន់ ១ចំនួនតូចនៃ ១ចំនួនធំ ១ចំនួនធំ ១ចំនួនតូចនៃ ១ចំនួនធំ ១ចំនួនតូចនៃ ១ចំនួនធំ ១ចំនួនតូចនៃ